Nai Dunia (Indore), 06th February 2022, Page - 07

आइआइटी और आइआइएम में शुरू होंगी नियमित कक्षाएं

कोरोना संक्रमण में कमी को देखते हुए लिया निर्णय, तीन वर्ष बाद परिसरों में लौटेंगे विद्यार्थी

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर भी अब अन्य शिक्षण संस्थानों की तरह अपनी नियमित कक्षाओं का संचालन शुरू कर देंगे। दोनों संस्थानों ने कोरोना महामारी में विद्यार्थियों को सुरक्षित रखने के लिए किसी भी तरह का रिस्क नहीं लिया और करीब तीन वर्ष से नियमित आनलाइन कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। अब कोरोना संक्रमण कम होने से संस्थान विद्यार्थियों को बुलाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके पहले छात्रावासों को व्यवस्थित किया जा रहा है। सुरक्षा संसाधनों को जांचा जा रहा है।

भविष्य में यदि कोरोना संक्रमण फिर बढ़े और फिर से आनलाइन कक्षाएं संचालित करनी पड़े तो उसके हिसाब से सभी तैयारियां बनी रहें। आइआइटी इंदौर के लिए अब विद्यार्थियों को जल्द परिसर में बुलाना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि प्रैक्टिकल कामों से विद्यार्थी काफी समय से दूर है। केवल शोध कार्यों से जुड़े विद्यार्थी ही विभिन्न लैब का उपयोग कर रहे हैं। जिन नए विद्यार्थियों ने संस्थान में प्रवेश लिया है, वे भी अभी परिसर को ठीक से नहीं देख पाए हैं। अब कुछ ही दिन में आइआइटी इंदौर परिसर में भी पहले की तरह चहल-पहल दिखेगी।

विद्यार्थी भी चाहते हैं आना : अब दोनों संस्थानों के पास काफी संख्या में अपने शहर जा चुके विद्यार्थी भी संपर्क कर परिसर में आने की इच्छा जाहिर कर रहे हैं। चूंकि छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को सभी सुविधाएं अंदर ही उपलब्ध कराई जाती हैं। ऐसे में कोरोना संक्रमण की जांच के बाद संस्थान परिसर के बाहर नहीं जाने की शर्त पर विद्यार्थियों को बुला सकता है। कुछ दिन पहले ही इंदौर के बड़े इंजीनियरिंग संस्थान एसजीएसआइटीएस ने भी कई कक्षाओं के विद्यार्थियों की नियमित कक्षाएं लेनी शुरू कर दी हैं। विद्यार्थियों को छात्रावास में कमरे आवंटित करने प्रक्रिया भी पूर्ण कर ली है। यहां भी परिसर में चहल-पहल होने लगी है।

संस्थान के निदेशक प्रो. राकेश सक्सेना का कहना है कि नियमित कक्षाएं संचालित के बीच भी कोरोना गाइडलाइन का पालन कराया जा रहा है। मास्क लगाना और शारीरिक दूरी रखना जरूरी है। परिसर में विद्यार्थियों का शरीर का तापमान भी जांचा जा रहा है।